## सामान्य अध्ययन वर्ष 1997

### प्रथम प्रश्न–पत्र

1. काफी प्रयत्नों के बाद भी सरकार भारत को सही मायने में संघ नहीं बना पाई है। इस दिशा में विगत 2/3 वर्षों में क्या प्रयत्न किये गये और भविष्य में किस प्रकार के प्रयास आवश्यक है ताकि इस उद्देश्य की पूर्ति हो सके?

2. इराक के साथ कोफी अत्रान के ऐतिहासिक करार का महत्व स्पष्ट कीजिए।

अथवा

इजरायल–फिलीस्तीन संधि वार्ता पर टीप कीजिए।

3. भारत के संविधान में कंट्रोलर और ऑडिटर जनरल की भूमिका एवं पद की समीक्षा कीजिए।

अथवा

विधानसभा के अध्यक्ष को हटाने के लिए भारतीय संविधान में जो व्यवस्था है, उसे स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखियेः

(अ) राष्ट्रीय विधि संस्थान, भोपाल (ब) वर्ष 2000 (2ल्ज्ञ) की समस्या (स) शासन की राष्ट्रीय कार्यसूची (द) शेरों के पालक (इ) दी इनसाइडर (The Insider)

5. अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत राज विस्तार अधिनियम का क्या परिणाम है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

स्वतंत्र भारत के निर्माण में सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

6. अनुसूचित क्षेत्रों में शांति व्यवस्था एवं प्रशासन के लिए संविधान के तहत राज्यपाल का क्या उत्तरदायित्व है? इस कार्य के लिए उन्हें क्या विषेष अधिकार प्राप्त है?

अथवा

बीमारू (BIMARU) राज्य कौन–से है? इनकी विशेष समस्याओं का उल्लेख कीजिए।

7. विकलांग (निःशक्त) व्यक्तियों के लिए पारित केन्दीय अधिनियम के संदर्भ में मध्यप्रदेश शासन की ''चुनौती'' योजना का आकलन कीजिए।

8. रामकृष्ण मिशन (आश्रम) क्या है? उनके द्वारा बस्तर जिले के नारायणपुर में चलाए जा रहे प्रकल्प का वर्णन कीजिए।

अथवा

ग्लोबल वार्मिंग **Global Warming** पर टीप कीजिए।

9. निम्नलिखित में से किन्ही तीन पर टिप्पणियाँ लिखिये–

(अ) निर्मल देषपांडे (ब) भंवरीबाई

(स) इला भट्ट (द) एम. सुब्बुलक्ष्मी

(इ) अरूणा आसफ अली।

## मध्यप्रदेश राज्य सेवा मुख्य परीक्षा

## सामान्य अध्ययन वर्ष 1997

## द्वितीय प्रश्न–पत्र

1. निम्नलिखित में से किन्ही दस के उत्तर प्रत्येक लगभग 50 शब्दों में दीजियें।

(1) छत्तीसगढ़ के मैदान का उल्लेख कीजियें। वहाँ की जलवायु का वर्णन कीजिये तथा उस क्षेत्र में क्या–क्या और कहाँ–कहाँ खनिज पाए जाते हैं, उल्लेख कीजिये।

(2) मध्यप्रदेश में मैंगनीज कहां–कहां पाया जाता है? क्षेत्रवार उल्लेख कीजिए। इसका उद्योगों में किस प्रकार उपयोग किया जाता है?

(3) बेतवा नदी का राज्य में क्या महत्व है?

(4) जब नया मध्यप्रदेश बना था, उसमें तत्कालीन विन्ध्य प्रदेश के कौन–कौन से जिले सम्मलित किये गये? सिरोंज उपखण्ड राज्स्थान राज्य में था, वह राजस्थान के किस जिले में था, बताइये। पुराने भारत का सुनेल टप्पा किस जिले में सम्मिलित किया गया?

(5) मध्यप्रदेश में रक्षा उत्पादन के कौन–कौन से संयंत्र हैं तथा कहाँ स्थापित किये गये हैं? उसमें किसका उत्पादन होता हैं?

(6) मध्यप्रदेश राज्य में अफीम की खेती पर एक टीप लिखिये।

(7) एमनेस्टी इन्टरनेशनल क्या हैं? यह क्या कार्य कर रहीं हैं?

(8) लेण्ड माइन्स (स्ंद डपदमे) से क्या खतरा है? कौन–कौन से देश इससे प्रभावित है तथा इनकी रोकथाम के लिये क्या प्रयत्न किये जा रहे है?

(9) कार्बोहाइड्रेट्स (ब्तइवीलकतंजमे) क्या है और इनके किस प्रकार के हानिकारक परिणाम निकलते हैं?

(10) 'एल नीनों' का क्या परिणाम होता है? इससे किस प्रकार के हानिकारक परिणाम निकलते है?

(11) रोलिंग प्लान से आप क्या समझते है? इसे क्यों और कब बन्द किया गया?

(12) ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड से आप क्या समझते है? इसकी सफलता अथवा असफलता का मूल्यांकन कीजिये?

2. निम्नलिखित में से किन्ही दो के विषय में प्रत्येंक लगभग 100 शब्दों में टीप लिखियें:

(अ) पण्डित जवाहरलाल नेहरू के प्रधानमंत्रित्व काल 1947–64 में प्रभावशाली आर्थिक नीतियाँ तथा उनका प्रभाव।

(ब) सुरक्षा परिषद् में भारत की स्थायी सदस्यता।

(स) आर्थिक उदारीकरण के युग में स्वदेशी की कल्पना पर टीप दीजिये।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार भागों के उत्तर प्रत्येक लगभग 50 पंक्तियों में दीजिये।

(प्रत्येक भाग 10 अंक का है)

(1) मदर टेरेसा

(2) नेशनल स्टॉक एक्सचेंज

(3) उत्तराखण्ड राज्य की माँग

(4) देश में बाल श्रमिकों की समस्या

(5) एटॉर्नी जनरल ऑफ इण्डिया।

4. मध्यप्रदेश में नर्मदा घाटी परियोजना से क्या–क्या लाभ होगा? विस्तार से इसका उल्लेख लगभग 200 शब्दों में कीजिये।

अथवा

वनों पर आधारित मध्यप्रदेश में प्रमुख उद्योगों का वर्णन कीजिये तथा उनके महत्व पर लगभग 200 शब्दों में प्रकाश डालिये।

5. किन्हीं चार भागों में उत्तर दीजिये। प्रत्येक भाग के 10 अंक है।

(1) टेनिस में ग्रेन्ड स्लेम टूर्नामेंट कौन–कौन से हैं और कहाँ–कहाँ खेले जाते है? क्या कोई भारतीय खिलाडी विजेता रहा है? यदि हाँ, तो नाम बताइये।

(2) ओलिम्पक खेल कब प्रांरभ हुए थे? भारत ने पहला स्वर्ण पदक कब जीता था (ओलम्पिक–1976 सहित)? अब तक भारत ने कुल कितने पदक और किन–किन प्रतिस्पर्धाओं में जीते हैं?

(3) निम्नलिखित किन खेलों से जुडे है?

(1) तृतीय अम्पायर (2) रोवर्स कप

(3) ऐशेज (4) चक्कर

(5) बेन्सन एण्ड हेजेज ट्रॉफी (6) महालक्ष्मी

(7) डेम्पो स्पोर्ट्स क्लब (8) एस्ट्रोटर्फ

(9) मैराथन (10) हिमालयन रैली।

(4) प्रत्येक का दो पंक्तियों में परिचय कराइये।

(1) सर्गी बुबका (2) रमन लाम्बा

(3) शेन वार्न (4) फ्लोरेन्स जायनर

(5) माराडोना (6) शाइनी विल्सन

(7) गीत सेठी (8) लिन्डसे डेवनपोर्ट

(9) उबजारा एन्ड्राडे (10) राजेश मिश्रा।

(5) भारत में फुटबाल के स्तर में गिरावट आई है। इसके कारण क्या हैं तथा स्तर में सुधार किस प्रकार लाया जा सकता है? फुटबाल में भारत की पूर्व उच्च–स्तरीय उपलब्धियाँ का भी उल्लेख कीजिए। (20 पंक्तियाँ)

(6) किन्हीं चार पर प्रत्येक पर लगभग 50 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिये। प्रत्येक के 10 अंक है :

(1) भारत का निर्वाचन आयोग (2) एक्जिट पोल

(3) गोंड अथवा भील जनजाति (4) मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय राजमार्ग

(5) इकबाल सम्मान।

(7) सभी भागों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक भाग 10 अंक का है।

(1) एक अंश (Share) पर 10 प्रतिशत लाभांश मिला। यदि यह 15 रू. कीमत का अंश 20 रू. में खरीदा गया हो तो कितने प्रतिशत लाभांश (Dividend) प्राप्त होगा।

(2) एक ट्रेन 90 किमी का फासला 60 किमी प्रति घण्टा की रफ्तार से तय करती है, फिर गति को बढ़ाकर 80 किमी प्रति घण्टा की रफ्तार से 800 किमी फासला तय करती है। संपूर्ण यात्रा में ट्रेन की औसत सामान्य गति बताइये।

(3) नीचे दी गई तालिका का अवलोकन कीजिए।

| क्रं. सं. | वर्ष | कुल निर्यात (करोड़ रू. में) | इंजीनियरिंग समान का निर्यात (करोड़ रू. में) |
|---|---|---|---|
| 1 | 1978 | 5143 | 552 |
| 2 | 1979 | 5404 | 624 |
| 3 | 1980 | 5426 | 717 |
| 4 | 1981 | 5999 | 653 |

(प) वर्ष 1980 में इंजीनियरिंग सामान का निर्यात कुल निर्यात का कितने प्रतिशत था?

(पप) इन चार वर्षों में इंजीनियरिंग सामान का निर्याता कितने प्रतिशत बढ़ा?

4. नीचे आंकड़े दिये गये है :

ट

| अपराध | वर्ष | |
|---|---|---|
| | 1991 | 1992 |
| हत्याएँ | 191 | 188 |
| राहजनी | 314 | 345 |

| | | |
|---|---|---|
| डकैती | 22 | 41 |
| चोरी | 17,638 | 17,773 |
| जुआं खेलना इत्यादि | 19,275 | 21,776 |
| नशाबन्दी से संबंधित | 67,025 | 86,295 |

ए

| वर्ष | जनसंख्या (लाखों में) | पुलिस आरक्षकों की संख्या | पुलिस थाने |
|---|---|---|---|
| 1954 | 28 | 13,000 | 35 |
| 1982 | 82 | 23,000 | 51 |

(1) तुलानात्मक दृष्टि से अपराधों के बारे में आप किस नतीजे पर पहुँचेंगे।

(2) पुलिस स्टेशन व पुलिस आरक्षक की पर्याप्तता/अपर्याप्तता पर क्या–क्या समीक्षा करेंगे।

# मध्यप्रदेश राज्य सेवा मुख्य परीक्षा

## सामान्य अध्ययन वर्ष 1997

## तृतीय प्रश्न–पत्र

1. निम्नलिखित वाक्यों की अधिकतम सौ–सौ शब्दों में व्याख्या कीजिए।

   (क) प्रेम स्पप्न है, श्रद्धा जागरण है।

   (ख) मानवीय सृष्टि करूणा के लिए है। क्रूरता के निर्देशक हिंसक पशु जगत् में क्या कम है?

   (ग) संसार की निस्सारता को देखकर भी मनुष्य कितनी गहरी नींव डालना चाहता है।

   (घ) आज हम देहाश्रयी चेतना के युग में जी रहे है।

   (ड.) दूरदर्शन की उपभोक्तावादी समानांतर संस्कृति का विकास देश के लिए घातक है।

2. निम्नलिखित गद्यांश से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

   राजनीति का क्षेत्र हो या अन्य कोई क्षेत्र मनुष्य से धर्म को अलग किया ही नहीं जा सकता। राजनीति यदि शरीर है तो धर्म शरीर को अर्थवान–बनाने वाली आत्मा। शरीर से यदि आत्मा को अलग कर दिया जाये तो शरीर किस काम की? राजनीति यदि उफनती नही है तो धर्म उस नदी के मजबूत किनारों के रूप में है। आधुनिक युग में इस नदी के किनारे बाँध थे रामकृष्णन–विवेकानंद ने, गांधी जी और डॉ. राधाकृष्णन ने। आज सोचना है कि क्या हम उन महापुरूषों की वैचारिक विरासत का संरक्षण कर पा रहे है? राजनीति यदि व्यवस्था है तो धर्म इस व्यवस्था के लिए अदृश्य अंकुश है। यदि व्यवस्था पर अंकुश न हो तो वह अव्यवस्था बन जायेगी और वह जिसके हाथों में होगी वह क्रूर नृशंस, स्वेच्छाचारी और तानाशाह बन जायेगा।

   दुनिया का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिन्होंने धर्म को ताक पर रख दिया उन्होंने मनुष्य के साथ अन्ततः खिलवाड़ ही किया। ऐसे लोगों की एक लम्बी जमात रही है। इनकी करनी–भरनी को कौन नही जानता। ऐसे लोगों का आगमन आज फिर इस देश में हो रहा है। पता नहीं इस देश के कर्णधार क्या चाहते है? आम लोगों ने धर्मग्रन्थों के अस्तित्व को हास्यास्पद बना दिया है। भीतर से उन्हें आद देने वाले कम होते जा रहे है। आज नहीं समझ में आता है कि न्यायालयों अपराधियों से ''गीता'' व ''कुरान'' पर हाथ रखकर सौगंध खिलाने का आशय क्या है? न्याय की देवी का तराजू हाथ में लिये चित्र रखने का अर्थ क्या है? अहिंसा परमोधर्म और 'सत्यमेव जयते' आदि जो वाक्य लिखे रहते है तथा विवेकानंद और गाँधी की जो तस्वीरें सरकारी कार्यालयों और संसद भवनों में लगी रहती है– उन सबका मतलब क्या है? क्या ये सब धर्म के स्मारक नही है? यदि नही है तो फिर इनकी क्या जरूरत है? इनको हटवा देना चाहिये। मनुष्य और राक्षस में बहुत भेद नहीं है। जिसे धर्म का भय है वह मनुष्य है और जो अहंकार में धर्म को ठेंगा दिखा सकता है वह राक्षस है।

जिन्दगी की नहर के दो किनारे है– एक किनारा राजनीति का है और दूसरा धर्म का। आज धर्म की भी राजनीति की जाने लगी है जबकि धर्म और आध्यात्म आस्था और विश्वास की चीजें है। इन्हें किसी स्तर पर भुनाया नही जाना चाहिये।

प्रश्न– (क) राजनीति और धर्म का क्या महत्व है?

(ख) नवजागरण के अग्रदूतों का राजनीति संबंधी क्या दृष्टिकोण था?

(ग) राजनीति से यदि धर्म को निकाल दें तो क्या परिणाम होगा?

(घ) आज धर्म मखौल की वस्तु क्यों बनता जा रहा है?

(ड.) जीवन में धर्म और आध्यात्म क्या महत्व रखते है?

3. निम्नलिखित गद्यावतरण का संक्षेप उसके एक–तिहाई शब्दों में करते हुए इसके लिए एक सार्थक शीर्षक का चयन कीजिए।

अपने देश में अनेक साधना पद्धतियाँ है किन्तु उनमें ध्यान शीर्षस्थ है। आज के आपाधापी वाले युग में, द्वन्द्व और तनाव की मानसिकता में जीने वालों के लिए वह औषधि बन गया है। ध्यान स्वयं में धार्मिक एवं आध्यात्मिक क्रिया है। इससे हमारे भीतर की रिक्ता मिटती है, भीतर के त्रणों का शीतल उपचार होता है, हम अपने में होना सीखते है। ध्यान में अन्तर्मुखों बनाता है, हमें हमारी हैसियत में ला देता है, यह आंतरिक शांति प्रदान करता है, खण्ड–खण्ड बँटे हमारे चित्त को अखण्डता प्रदान करता है। ध्यान करने की शक्ति, अन्तर्मुखी होने की क्षमता केवल मनुष्य में है, पशु में नहीं। मनुष्यों में ध्यान सबके वश की बात नहीं, इसलिए उपासना की भूमि पर उतरकर ही उसकी और शनैः शनैः अग्रसर होना ठीक है। मातृ–उपासना सभी उपासनाओं में श्रेष्ठतम है और अमोघ फल प्रदान करने वाली है।

ईश्वर की भक्ति से जहाँ केवल ज्ञान और वैराग्य मिलता है वहाँ माता की उपासना से लोक–परलोक दोनों प्राप्त होता है। राजा निर्दयी हो सकता है, मित्र धोखा दे सकता है, प्रियतम मुँह मोड़ सकता है, पिता त्याग सकता है परंतु माँ अपनी संतान के प्रति निष्ठुर हो ही नही सकती। मातृ–उपासना में करना–धरना कुछ नहीं पड़ता, केवल उसके आश्रय में बैठ जाना भर होता है। सभी शास्त्र, वेद और ज्ञान के अंग–उपांग सृष्टि की रचना पर अपने–अपने ढंग से विचार करते है और सृष्टि के प्रथम शब्द की चर्चा में अपने–अपने मत प्रकट करते है सन्तों की अवधारणा है कि पहला शब्द 'माँ' ही संतान के मुख से उच्चरित होता है। ध्यान से सुनें तो गाय का बछ़डा भी यही शब्द सर्वप्रथम उच्चारता है। कष्ट में, पीड़ा में, सुख–आह्लाद के अतिरेक में यही शब्द मुँह से (सबके ही) निकल जाता है।

यह शब्द ह्रदय के तारों से जुडा है और ह्रदय को झंकृत कर जाता है। इस सारी सृष्टि का प्रसार मातृशक्ति का ही है। एक बात और आप देखें। हमारे अंदर जो काम, क्रोध, लोभ आदि विकास है, वे हजार उपाय करने से भी नहीं शांत होते पर माँ के सामने जाते ही शांत हो जाते है। यह प्रत्येक का अनुभव है। अतः जब माँ का स्मरण होता है तो समझें ईश्वर का ही

स्मरण होता है। जब कहीं शांति न मिले, मन के वेग चैन न लेने दें तो माँ के सामने जाना चाहिये, उनके चरण–स्पर्श करना चाहिए, उनकी ओर टकटकी लगा कर देखना चाहिए। आप तत्काल देखेंगे कि आप शांत हो रहे है। माँ के सामने अंधेरा भागता नहीं –वह प्रकाश में बदल जाता है। अतः मनुष्य उनके दर्शन से दिव्य और पुनीत हो उठता है। जो माँ के चरणों में बैठते है वे इस भेद को जानते है। यही तो खरी कसौटी है। जो भी माँ के सामने बैठेगा, उनका प्रकाश अपने अंदर लेगा, उसके भीतर का अंधकार अवश्य ही प्रकाश में परिणत हो जायेगा। जो माँ की ओर देखते रहेंगे, उनकी उपस्थिति का आभास लेते रहेंगे, वे अवश्य ही प्रकाशित होते चले जायेंगे। उनके चरणों को अपने अंदर बसाने की क्रिया नित्य ही कुछ देर करनी चाहिए। उस समय किसी जाप की जरूरत नहीं मंत्र की आवश्यकता नहीं वह मंत्र तो काम कर गया जिसने माँ के सामने लाकर आपको बिठा दिया। अब तो जीव और ईश्वर आमने–सामने है। बस उनके आलोक को अपने भीतर मात्र भरना है। उस जगत–जननी का अंश ही लौकिक माताओं में आया है। बालक बनके उसे पुकारना है, प्रेम भरी दृष्टि से उसकी ओर निहारना है, उसको बुलाने के लिए रोना और बिलखना है रामकृष्णन परमहंस यही तो करते थे।

4. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए और उनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

(अ) लोहे के चने चबाना। (ब) दिन–रात एक करना।

(स) माथे पर शिकन न आना। (द) आँखे चार करना।

(ई) जड़ जमाना।

5. निम्नलिखित शब्दों के दो–दो समानार्थी शब्द लिखकर उनके अर्थ वाक्यों में प्रयोग द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(क)असुर (ख) अमृत (ग) आँख (घ) आकाश (ड.) कृष्ण।

6. निम्नलिखित शब्द–युग्मों का अर्थ लिखिए और वाक्यों में उनके प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका अंतर स्पष्ट हो जाये।

(क) अमित–अमीत (ख) असन–आसन (ग) अगम–आगम

(घ) उत्पाद–उत्पात (ड.) इति–ईति

7. निम्नलिखित वाक्यों का शुद्ध करके लिखिए।

(क) निम्न प्रश्नों के उत्तर दो।

(ख) मैंने उसे बुलाया और बोला।

(ग) देवता को एक फूलों की माला अर्पित कर दी।

(घ) कई कचहरी के वकील ऐसा कहते है।

(ड.) एक गाय, दो बकरी और तीन भेड़ें मैदान में चर रही है।

8. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग 300 शब्दों का हिन्दी में एक निबन्ध लिखिए–

(क) आज की मूल्यहीन राजनीति के परिणाम

(ख) देशप्रेमः स्वतंत्रा पूर्व और स्वतंत्रता बाद

(ग) सामाजिक न्याय का संदर्भ और बी.आर. अम्बेडकर

(घ) मध्यप्रदेश की समकालीन हिन्दी विषयक साहित्यिक गतिविधि

(ड.) देश की अखण्डता का संदर्भ और वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य।